



बुधवार

8 मई 2024, तैशाख कृष्ण पक्ष, अग्रवर्षा, विक्रम सम्वत् 2081, धनबाद

नगर संस्करण, वर्ष 14, अंक 107, 16 पेज, गूल्हा ₹ 5.00

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

# हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

लादिमीर पुतिन ने  
पांचवीं बार रूसी  
राष्ट्रपति का  
कार्यमार संभाला



**ईडी की कार्रवाई:** कमीशनखोरी में चार इंजीनियर और एक टेकेदार के ठिकानों पर छापे

## दूसरे दिन भी छापे, टेकेदार के यहां मिले 2.14 करोड़

कलंक के खिलाफ

रांची, संचाव दाता। झारखण्ड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग में ठेकों में कमीशनखोरी वाली लाइंडिंग को लेकर ईडी ने दूसरे दिन मंगलवार को भी इंजीनियरों और ठेकेदारों के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में ईडी ने ठेकेदार राजीव सिंह के हाटिया रिस्थ में कार्यालय के फ्लैट में छापेमारी कर 2.14 करोड़ रुपये बरामद किए।

ईडी ने जांच में खुलासा किया है कि किंवदं एक भाव में ठेकेदारों से बसूली कर राजीव सिंह ने 10 करोड़ रुपये मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल को दिया था। जल्द ही और पांच लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

ईडी अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को ओएसडी संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम, ओएसडी कार्रवाई साइराक आलम के ग्रामीण विकास मंत्री के बड़ा से बरामद 35.23 करोड़ रुपये के स्रोत पर पूछताछ में राजीव कुमार सिंह का नाम उभर कर सामने आया था। इसके बाद मंगलवार सुबह हृदी टीम ने ठेकेदार निनासी के ठिकानों पर छापे के लिए तैयारी की। नकद बरामदान के बाद वैकं जहांगीर आलम के ओएसडी (पीएस) संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मंगलवार को दोपहर 12.30 बजे पीएमएल के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में पेश किया।

ईडी ने काटे से दोनों को पूछताछ के लिए 10 दिन की रिमांड मारी, लेकिन सुनवाई के बाद कोट्टे ने छह दिन की



हाटिया रिस्थ में कार्यालय के फ्लैट से बरामद 2.14 करोड़ रुपये।

## मंत्री का पीएस और नौकर गिरफ्तार, रिमांड मिली

रांची, संचाव दाता। ईडी ने सोमवार को 35.23 करोड़ रुपये नकद बरामदारी और पूछताछ के बाद देर रात 12.40 बजे ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी (पीएस) संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मंगलवार को दोपहर 12.30 बजे पीएमएल के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में पेश किया।



काटे से दोनों को पूछताछ के बाद संजीव और जहांगीर को जेल ले जाती पुलिस।

और जहांगीर से पूछताछ करेगी। सुनवाई के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में होटवार जेल भेज दिया गया। इससे पहले सुनवाई के क्रम में ईडी के विशेष लोक अधिकारी शिव कुमार काका ने कोट्टे से कहा कि काकी बड़ी मात्रा में नोट बरामदगी हुई है। टेंडर की कमीशन राशि और कहां-कहां पहुंची, दोनों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हो सकता है। इसलिए 10 दिनों की रिमांड की मंजूरी दी जाए। इसका विशेष बचाव पक्ष के अधिकारियों ने किया। दोनों पक्षों को सुनवाई के बाद कोट्टे ने फैसला सुनाया।

## झामुमो विधायक चमरा लिंडा पार्टी से किए गए निलंबित

रांची, हिन्दुस्तान ब्यरो। झारखण्ड मुकियत मंत्री (झामुमो) के बागी विधायक चमरा लिंडा को एक और ग्रामीण विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता से सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। झामुमो के केंद्रीय अध्ययन संस्कारक निर्देशनालय चमरा लिंडा को पार्टी के सभी पदों से पदमुक्त कर दिया है।

विशुणुपुर से झामुमो विधायक चमरा

लिंडा के विरुद्ध गठबंधन धर्म के विपरीत

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया।

लोहरदगा से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर कार्रवाई की गई है। निलंबन अदेश झामुमो महासंसद विनोद पांडेय की ओएसडी संचाव दाता को जारी किया गया। बता दें कि विधायक चमरा, लोबिन हेंड्रेम के बाद पूर्व विधायक बसंत लौणा ने भी निर्दलीय बन ताल लौकी है। लौणा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से







# अपना धनबाद



फिर भी नहीं  
चेट रहे हम...

दो बहनों की जन चली गई। स्कार्पियो चला रहे दोनों लड़कों के आधार कार्ड से पता चला कि वे नाबालिंग हैं। इस दर्दनाक घटना के अपाले दिन भी न तो प्रशासन में कोई सक्र सखी और न किशोरों के हाथों में गाड़ियों की चाही थमाने वाले उनके माता-पिता को ही कोई फँक पड़ा। पुराना बाजार पानी टॉपी में नादान हाथों में टोटो की स्ट्रिंगिंग की तर्कीर हालत को बर्यां कर रहे हैं। सङ्क घर बांड और स्कूटी सवार किशोरों को फर्रता भरते सहजता से देखा जा सकता है।

ट्रैफ़िक पुलिस ने मंगलवार को डीएसी अंविंग कुमार सिंह की आगुई में मैमको मोड़ में वाहन चेकिंग अभियान तो चलाया, लेकिन इसे शहर में व्यापक रूप से चलाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

गोमो के सुभाष नगर से दोनों बहनों की निकली अंतिम यात्रा, सबकी आंखें नम, प्रार्थना के बाद ईसाई रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार

## लाडली बेटियों की अर्थी पिता के कंधे पर देख कर हर कोई रोया



गोमो, प्रतिनिधि। धनबाद के असर्वात्मन के निकट सोमवार को सङ्क छादसे में ये सारी बहनों की पौत के बाद जब शब गोमो सुभाष नगर लाया गया तो कोहराम मच गया। पूरी रात हजारों लोगों की भीड़ शब के पास जमी रही। पूरे गोमो रेल नगर में मातम पसर गया। मंगलवार सुबह जब पिता जय होरे के कंधे पर उनकी दोनों लाडली बेटियों की आंसुओं का निकली तो लोगों के आंसुओं का सैलान उमड़ पड़ा। यह नजारा देख हर आदी का कलेजा फट गया। एक हजार से भी अधिक लोग शब यात्रा में शामिल हुए।

पिता जय होरे ने बेटियों के शब की कंधे पर लेकर जैसे ही निकलने से लिपटकर हड्ड मार कर रोने लगी। मां बार-बार बोल रही थीं बेटा मुझे छोड़ कर कहां जा रही हो, तुम्हारे बिना जी

गोमो के सुभाष नगर में मंगलवार को अपनी लाडली बेटियों की अर्थी को कंधे देते पिता जय होरे व विलाप करती मां।

नहीं पाएंगे। दोनों बहनों का सबसे छोटा देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

कब्ज़ेसाम में पादी अजीत होरो ने प्रार्थना कर कर ईसाई रीति-रिवाज से दोनों बहनों को मिट्टी दिलाई।

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

कब्ज़ेसाम में पादी अजीत होरो ने प्रार्थना कर कर ईसाई रीति-रिवाज से दोनों बहनों को मिट्टी दिलाई।

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।

वहीं पिता ने बेटियों को कंधे पर उठाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

उड़ाया और रो-रो कर बोलते हुए जा

रहे थे कि बेटा मेरी गलती को माफ़ कर

देना, तेरा पांच तुमको बचा नहीं पाया।

गोमो रनन्पुर पहाड़ी के पास एक ही बहनों के शब को देखकर कांप रहा।

कब्ज़ेसाम में दोनों बहनों को फढ़नाया गया।



ધનબાદ જલાપૂર્તિ યોજના કી પાઇપ સે અવૈધ કનેક્શન કી સૂચના પર પહુંચી થી ટીમ

# તિલતોડિયા મેં પાની કા કનેક્શન કાટને કા ભારી વિરોધ, ટીમ લૌટી

નિરસા, પ્રતિનિધિ। નિરસા કે તિલતોડિયા ગાંબ મેં પીણે ગર્મી મેં પાની કી સમયા ગંભીર હો ગઈ હૈ | મંગલવાર કી સુખ ગાંબ કે લોગો ને ઇસીએલ કી ઓર સે બિછાઈ ગઈ પાફલાઇન મેં મૈથન-ધનબાદ જલાપૂર્તિ કી પાઇપ સે કનેક્શન જોડી લિયા | ઇસે ગાંબ મેં પાની પહુંચે લગા, જિસસે ગ્રામીણ ખુશી સે ઝૂમ ઉઠે | મગન દોપહર કરીબ સાઢે બાબત બજે મૈથન જલાપૂર્તિ યોજના કી એઝેસી (ધનબાદ) કે લોગ પુલિસ પ્રશાસન કી સાથ પાફલાઇન કા કનેક્શન કાટને મુગમા એરિયાની અભિફસ કે એનેચ ટૂ રોડ કિનારો પહુંચે |



પાની કનેક્શન કાટને કા વિરોધ કરતે તિલતોડિયા કે ગ્રામીણ |

- કનેક્શન કાટને કી સૂચના પર 700 કી સંખ્યા મેં ગ્રામીણ પહુંચે
- ટાઇ ઘટે તક એઝેસી ઔર પુલિસ પ્રશાસન સે ગ્રામીણોની નોકરીનીક

**બી** અવૈધ કનેક્શન કાટને કે લિએ પુલિસ પ્રશાસન કી સાથ ટીમ ગઈ હુંબી થી, લેકિન સ્થાનીય નેતા એવી ગ્રામીણ લોગો ને કનેક્શન કાટને નહીં દિયા | લોગ વિરોધ કરતે લોગ, ઇસે બાદ ટીમ વાપસ વળી આઈ | - જેસન હોરે, કાર્યપાલક અધિકારી, એપ્ઝિયલ એવ સ્વચ્છતા વિભાગ

લોગોને પ્રાયાસ કરતે ચેતના કી આપને કનેક્શન કરી બાબત ને નહીં નાચતે હૈને | પુલિસોને એવા મહિલાઓનો કો તુર દેખ બિના કનેક્શન કાટે ટીમ વાપસ લૌટ ગઈ |

યા હૈ મામલા: તિલતોડિયા કે

## શહર મેં હુંબી ઝામાઝામ બારિશ 13 તક રહેગી ગર્મી સે રાહત



શહર મેં મંગલવાર કી રાત ઝામાઝામ બારિશ કી બીજી ઘલતે વાહન |

ધનબાદ, પ્રમાણે સંવાદદાતા | પિછળે દો દિનોને ધનબાદ મેં મોસમ કી મિજાજ બદલ ગયા હૈ | દેર શામ હુંબી ઝામાઝામ કી બારિશ કે બાદ ગર્મી ગાયબ હો ગઈ | અધિકતમ તાપમાન નીચે ગિરક 34 વિન્યત 22 ડિગ્રી તક પહુંચ ગયા |

મોસમ વિચાને કેંદ્ર રાંધીયી કે અનુસાર ધનબાદ સમેત રૂએ ઝારખંડ મેં 13 મર્યાદ તક મોસમ કુછ એસા હી રોગા | બદલ છાએ રહેગે ઔર હલ્કી બારિશ હોગી | પાંચ દિનોને તક અધિકતમ તાપમાન 33-34 ડિગ્રી કે કુચી હી રોગા |

## રંજય સિંહ કી હત્યા મેં ફરાર શૂટર ચંદન ને માંગી જમાનત



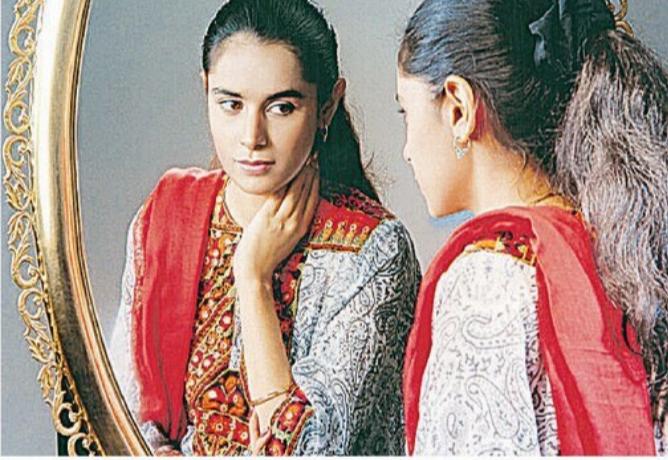
ચંદન શર્મા કી ફાઇલ ફોટો |

ધનબાદ, પ્રતિનિધિ | ઝારિયા કે પૂર્વ વિધ્યાયક સંઝીવિસિની કે કરીએ રંજય સિંહ કી હત્યા કે મામલે મેં સાત સાલ બાદ કાંડ કે દૂસરા શૂટર સમાને આયા | યહલી બાદ કાંદિંય શૂટર પટના મસોડી નીમા નિવાસી ચંદન શર્મા ને અપને વકીલ કે માધ્યમ સે ન્યાયાલય મેં અગ્રિમ જમાનત યાચિકા દાખિલ કી હૈ | જિલા એવા સત્ર ન્યાયાધીની ડીસી અવસ્થા કે ન્યાયાધીની મેં માઈ કો અગ્રિમ જમાનત પર સુનાબંડી હોયો | પુલિસિયા દાખાવે કે કારણ ચંદન કોર્ટ કી શરણ મેં આયા હૈ |

29 જાન્યુઆરી 2017 કે સરાનાદેલા ચાણકય નારે મેં સ્કુટી સે ઘર જાને કે દૌરાન રંજય સિંહ મેં ગોલી માર કર હત્યા કરી ગઈ થી | ઇસ કેસ મેં આરા બેરથ સે રિપોર્ટ રૂન સિંહ ઉર્જ નંદ કુમાર ઉર્જ મામા જેલ મેં બંદ હૈ જાબકિ ધોયા કે હર્ષ સિંહ જમાનત પર હૈ | રૂના ઔર હર્ષ ને પુલિસ રિમાંડ કે દૌરાન દિએ અપને બચાન મેં ચંદન શર્મા કી જિક્ર કિયા હૈ | ચાર્જાંટ કે અનુસાર રૂના ને

બારિશ હોતે હી ગુલ હુંબી બિલ્લિ: બારિશ હોતે હી મંગલવાર કો જિલે મેં બિલ્લિ કટ ગઈ | ટાકાં વા બારિશ સે પુટકી લાઇન કે 33 કેવીએ મેં ખરાબી આ ગઈ | ઇસે પાછા શાર કે દૂસરા શાર મસોડી નીમા નિવાસી ચંદન શર્મા ને અપને વકીલ કે માધ્યમ સે ન્યાયાલય મેં અગ્રિમ જમાનત યાચિકા દાખિલ કી હૈ | જિલા એવા સત્ર ન્યાયાધીની ડીસી અવસ્થા કે ન્યાયાધીની મેં માઈ કો અગ્રિમ જમાનત પર સુનાબંડી હોયો | પુલિસિયા દાખાવે કે કારણ ચંદન કોર્ટ કી શરણ મેં આયા હૈ |

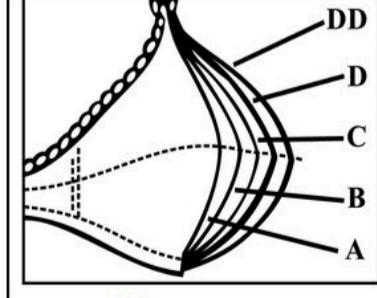
## ક્યા અબ યાદી આપકી લાડલી કા શોક બન ગયા હૈ



શીશા... નવયુવતી કા પહલા પ્ર્યાર | ઘંટોની શીશો કે સામને રહના, નાને-નાને કપડે પહનકર દેખના, બાળો કો અલગ-અલગ અંદાજ મેં સંવાદના ઔર કિશોરાવસ્થા કી ખુબસૂરતી નિહારના યે સંકેત હૈને કે આપકી બિટિયા કો આત્મવિશવાસ કી જુરૂરત હૈ | હાલાંકિ કિસી નવયુવતી કા ઉસકે શારીરિક વિકાસ કો લેકર સચેત રહના બિલ્કુલ સહજ હૈ | હાલાંકિ યા હું ઉસકી માં, અભિભાવક કી જિમ્પેડારી હૈ કે બિટિયા કે લિએ કાંદા કી હોયો હોયો | પર સવાલ યા હૈ કે કયા કાંદા કો કોઈ સી ભી 'ભા' દી જા સકતી હૈ?

## નવયુવતીઓ કો સહજ વિકાસ કે લિએ ચાહેણે ખાસ બા

આપને મહસૂસ કિયા હોયા કે કિ નવયુવતીઓ કો પાછા ના શુરૂ કરને કે બાવજુદ ભી શર્માતી ઔર સંકુચાતી રહતી હૈ | ઇસકા કારણ ગલત બાબ કા ઇસ્ટેમાલ, જિસને ઉનમે પૂર્ણ આત્મવિશવાસ નહીં આ પાતા ઔર વે નિશ્ચિંત નહીં રહતી | ઇસ ઉપર મેં શારીરિક વિકાસ કો આકાર મેં થોડી સી લાપરવાહી ઔર નાસમજી સે બિટિયા કી ફિગર, ખુબસૂરતી ઔર વ્યક્તિત્વ પર અસર પડું સકતા હૈ |



**નવયુવતીઓ કે લિએ સહી કપ સાઇઝ ક્યો બહુત જરૂરી હૈ?**  
તન કે સહજ વિકાસ ઔર આરામ કે લિએ આપાંકો યા ધ્યાન રખના હોયા કે ઉસકે બાબ કો કપ સાઇઝ સહી હો | હર એક કે શરીર કી બનાવટ એક-સી નહીં હોતી હૈ ઔર હમારા બ્રાણ્ડ ટીનેએજર ઇસ ફર્ક કો સમજાતા હૈ | હમારી યાદી ખાસિયત હુંમે અલગ પહચાન ઔર આપકી બિટિયા કો પરફેક્ટ ફિટ કા અહસાસ દેતી હૈ | પ્રત્યેક બાબ સાઇઝ મેં 5 કપ સાઇઝ હૈને: એ-સ્માલ, બી-મીડિયમ, સી-લોર્જ, ડી-એક્સ્ટ્રા લોર્જ ઔર ડીડી-ડબલ-એક્સ્ટ્રા લોર્જ |

## Teenager વિશે લ્ય સે નવયુવતીઓ કે લિએ ડિઝાઇન કિયા ગયા

મેડિકલ વિશેષજ્ઞોની સિફારિશોની ઔર સુઝાવોની કી અનુસાર આત્મવિશવાસ કી ભારી ઔર આધાર ઔર આરામ દિલાતી હૈ ઔર ઉનકા ફિગર ભી ઠીક રખતી હૈ | ટીનેએજર બાબ કો સાવધાનીપૂર્વક અનુસધાન ઔર વિશલેષણ કી બાદ આકાર દિયા ગયા હૈ |

100%: સૂતી, લાઇક્રા પટ્ટે કે સાથ સફેદ એવા મંગ મેં ઉપ









## रांची में छापे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ज्ञारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री के ओएसडी और नौकर के घर समेत दसरे अन्य टिकानों से जिस बड़े पैमाने पर नकदी बरापट दी है, वह हेंगनी से ज्यादा एक गहरी टीस पैदा करने वाली खबर है। एक लंबे जन-आंदोलन के बाद जब यह प्रदेश अस्तित्व में आया, तो बड़ी उम्मीदें थीं कि कुदरती संसाधनों से आबाद यह सूखा तो जलकर करेगा और अग्रणी राज्यों में शामिल होकर अपने गढ़न के औचित्य को सार्थक साबित करेगा। आदिवासियों के जीवन में आपूल-चूल सुधार का सपना देखा गया था, मगर विकास की रफ़तार के बजाय इस प्रदेश की चर्चा नकारात्मक वजहों से ही ज्यादा हुई। अबल तो जब से यह बना है, राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा है। इसे बने हुए अभी बमुशिक्ल तोईस वर्ष हुए हैं और इस दौरान दस सरकारें बन चुकी हैं। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा को तो एक मामले में तीन साल की सजा भी सुनाई जा चुकी है। उन पर हाजारों करोड़ के कदाचार के अन्य मुकदमे भी चल रहे हैं।

विडब्ना देखिए, इस समय देश में आम चुनाव हो रहा है, ज्ञारखंड की 14 संसदीय सीटों पर 13 मई और 1 जून को बोट डाले जाएंगे, मगर सार्वजनिक विमर्श में प्रभ्याचार का मुद्राद बहुत प्रभावी नहीं बन पा रहा। यकीनन, कुछ राजनेताओं ने इसको मुद्राद बनाने की कोशिश की है, मगर लोगों के जेहन में यह मसला कोई नहीं रहा। आखिर ऐसा क्यों है? क्योंकि पौचूदा समय में शायद ही कोई राजनीतिक पार्टी है, जिसका दामन भृष्णाचार के आरोपों से पूरी तरह पाप-फाफ हो गया है। जिस समय ईडी ज्ञारखंड की इस बरामदगी के सिलसिले में अपने दो दो रहे कर रही थी, लगभग उसी वक्त दिल्ली की शराब नीति संबंधी कथित घोटाले में गिरफतार प्रदेश के मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। फिर इलेक्शन बॉन्ड के खुलासे को कितने दिन बीते हैं? इसलिए भी शायद मतदाता राजनेताओं के मुकदमों के निपटने में देखी भी है। सोएसडीएस के सर्वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि प्रभ्याचार वोटों की चिंता में नीचे है।

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की जारी है। उसकी निष्पक्षता और प्रतिबद्धता लोगों की नजरों में अंतिम परिणाम से ही स्थापित होगी। ईडी की ज्ञारखंड के ताजा मामले की जांच जीजी के करनी चाहिए। एक गरीब प्रदेश के मंत्री के करीबियों के पास इतनी दौलत कहां से आई? इसकी जड़ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। प्रभ्याचार के प्रति बड़ी उदासीनता को तोड़ने के लिए भी प्रभावी होनी चाहिए।

इस विषय को लेकर उदासीन है। इस उदासीनता की एक वजह राजनेताओं के मुकदमों के निपटने में देखी भी है। सोएसडीएस के सर्वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि प्रभ्याचार वोटों की चिंता में नीचे है।

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मूल्यांकित, तीन सबसे अधिक गरीब आवादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, प्रभ्याचार से निपटने के लिए नारिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जारी एजेंसियों की दिशा की भी है।

प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के लिए खालीपान की जारी है?

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति ज्ञारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। बतने की जरूरत नहीं कि प्रभ्याचार की सबसे बड़ी कीमत उहें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में ज्ञारखंड 32वें नंबर प



# चुभती-जलतीगर्मी में भी जमा चुनावी रंग

लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण के चुनाव में मंगलवार को भीषण गर्मी के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर जोश दिखा। इस दौरान युगाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों ने लोकतंत्र के महापर्व में पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और जाने-माने चेहरों ने भी वोट डालकर चुनाव में अपनी भागादारी निभाई। आयोग ने कई क्षेत्रों में सुगम मतदान केंद्रों की भी स्थापना की थी।



यूपी के हाथरस के एक पोलिंग बूथ पर एक महिला ने अपनी दिव्यांग पुत्री के साथ पहुंचकर मतदान किया। • प्रैट



बिहार के खगड़िया में मंगलवार को मतदान करने के बाद विराम पासवान।



ताबड़ोड़ जनसभा-रोड शो की व्यवस्था और विपक्ष पर आकामक तेवर दिखा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अहमदाबाद में खुशमिजाज नजर आए। यहां मतदान केंद्र के बाहर एक बच्चे को गोद में लेकर पीपुल उसे दुलारते दिखे। उनका वह अंदाज सभी को भा गया। • प्रैट



अहमदाबाद में मंगलवार को मतदान करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह, पल्नी सोनल शाह, वेटे जय शाह व वह ऋषिता पटेल के साथ स्थानी लगी उंगली दिखाते नजर आए। उन्होंने जनता से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। • प्रैट



अहमदाबाद में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सवरेना ने पल्नी के साथ डाला।



असम के कामरूप में मंगलवार को मतदान के दौरान युगाओं ने पूरे जोश के साथ बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। • प्रैट



तमिलनाडु के वेन्नई में स्थित एक पोलिंग बूथ पर नवविवाहित दिलीप कुमार और उनकी पत्नी नारायणी ने भी अपना वोट डाला। • एपी



बिहार के अररिया में मंगलवार को जोलीटाट के बलवा कुररसेल में बीमार बजुर्ग को मतदान केंद्र तक ले जाते सुरक्षाबल। • हिन्दुस्तान



पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के राधाकाशपुर गांव में ग्रामीणों ने मतदान का विहिकार किया। वे गांव में सड़क बनाने की मांग पर अड़ थे। • एएनआई

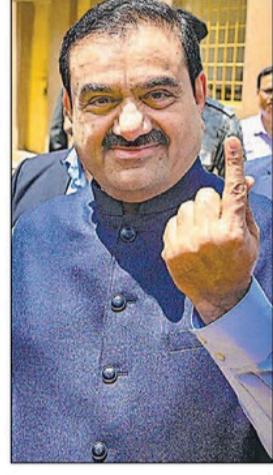
बिहार के झाङ्घारपुर बोर्ड के मध्येपुर प्रबंधन के कार्यालय दिवारा में गंगागांव पंचायत के परियार्थी घाट पर वोट डालने के लिए मतदाता नाव से पहुंचे। गांव के करीब 250 लोगों को नाव से बोट देने के लिए कार्यालय नदी के पार जाना पड़ा। • हिन्दुस्तान



## सेलिब्रिटी वोटर



कर्नाटक के कलबुर्गी में मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने पल्नी राजधानी के साथ अपना वोट डाला। • प्रैट



गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक पोलिंग बूथ पर मंगलवार को अडानी समूह के प्रबंध निदेशक गौतम अडानी ने मतदान किया। • प्रैट



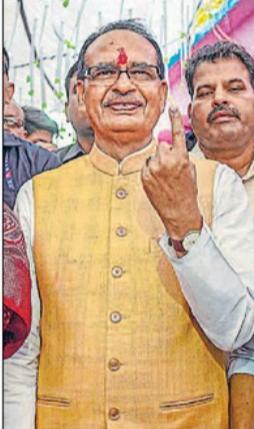
गुजरात स्थित जामनगर में भजपा नेता और भारतीय क्रिकेटर रवीद जडेजा की पत्नी रितिवा ने भी मतदान में हिस्सा लिया। • प्रैट



सेफई में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पल्नी और मैनपुरी से उम्मीदावार डिप्पल यादव तथा बैटी अदिति के साथ वोट डाला। • प्रैट



मध्य प्रदेश के शिवपुरी में मंगलवार को एक मतदान केंद्र पर वोटिंग करने के बाद उंगली पर लगी खाली छाँसी दिखाते केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंहिय। • प्रैट



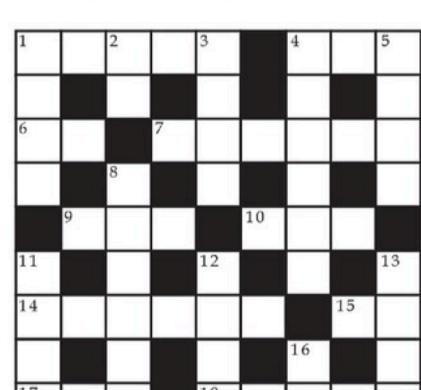
मध्य प्रदेश के सीहोर में मंगलवार को एक मतदान केंद्र पर वोटिंग करने के बाद उंगली पर लगी खाली छाँसी दिखाते केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंहिय। • प्रैट



महाराष्ट्र के बारामती में एनसीपी (शरद पवार गुरु) के प्रमुख शरद पवार ने मत डाला। इस दौरान उनकी पुत्री सुर्या सुले भी मौजूद रही। • प्रैट

## रोजनामचा

### वर्ग पहली: 7596



#### बाएं से दाएं

- जीवित होना; प्राण होना (2, 3)
- उत्तेजना; क्रोध; जुनून; जोश; झांक; सनक (3)
- असुविधा; करोड़; पीड़ा; चंपणा; रोग; वेदना; व्यथा; संकट (2)
- निवास करना; सुनिश्चित करना; निपटना (2, 4)
- दिलेन; पराक्रमी; वीर; हिम्मत रखने वाला (3)
- उसी समय; तक्षण; तुरंत; फैरन (3)
- जो सदा से होता आया है; पुराना (6)
- नाटक खेलने का स्थान; भाषण देने की जगह (2)
- अश्रुपूर्ण; आर्द्ध; जलव्यक्त; भीगा हुआ (3)
- अधम परुष; पशांतों जैसा आचरण करने वाला (3)

#### ऊपर से नीचे

- नाटक की कला; रंगमंच की कला (4)
- पत्थर से बना एक उपकरण, जिससे आटा पीसा जाता है (2)
- ईंश्वर; परमात्मा; विष्णु (4)
- अध्यात्म का आदर; आदर-सम्मान; आवभात; स्वागत (3, 3)
- लज्जाजाक; शर्मिदा करने वाला (4)
- अनंद मंगल; उत्साहपूर्णता; भूड़ी-भाड़ के कारण आई सजीवता; धूम-धाम (3, 3)
- भोजन न लेना; ब्रत; अनशन (4)
- आना; पहुंच; आदर; प्राप्ति (4)
- अवश्य; निस्संदेह; व्याथा में; वस्तुतः (4)
- बंदर; हाथी; करंज; सूर्य; एक ऋषि (2)
- हरीश चन्द्र सती; विविध विद्या, दिल्ली (उत्तर अगले अंक में)

### वर्ग पहली 7595 का उत्तर



### सुडोकू: 7580 \* कठिन



खेलने का तीका: दिमागी खेल और नंबरों के नी खाने की पहेली है यह। ऊपर नी-नी खानों के नी खाने की पहेली है आकार 1 से 9 की संख्याएं इस तह लिखनी हैं कि खड़ी ओर पड़ी लाइनों के हेरेक खाने में 1 से 9 की संख्याएं आया। साथ ही 3x3 के हेरेक बस्तों में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हैं। खेली का हल हम कल देंगे।

हल: सुडोकू नं. 7579



पं. राघवेन्द्र शर्मा

ज्योतिषाचार्य

विद्यालय और

ग्रन्थालय

जानकों के लिए

कृत-त्वारक





